



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

803
27/11

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1).
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 453) नई विलासी, मंगलवार, अगस्त 29, 1989/ भाद्र 7, 1911
No. 453) NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 29, 1989/BHADRA 7, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है किससे कि यह अलग संकलन के क्षय से
रक्षा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

ब्रिटिश भारतीय सरकार

राजस्व विभाग

प्रधिकृतवाना

नई विलासी, 29 अगस्त, 1989

विदेश यात्रा कर

मा.का.नि. 791 (अ) .—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 36 द्वारा
प्रदत्त अनियंत्रित करने वाला अपना यह गमाधार दूरी जाने पर कि ऐसा करना आवश्यक और समीजीत
है, 29 अगस्त, 1989 को भारत की यात्रा पर आने वाले इस्लामी गणतंत्र ईरान के विदेश मंत्री महामहिम

आ० अली अकबर वेलायती ग्रौं ए० इदरार० के शिष्टमंजस को उनके उक्त दौरे की समाप्ति पर भारत के बाहर किसी स्थान की उनकी अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 35 का उपधारा (1) के अधीन उद्घासीय विदेश यात्रा के माध्यम से, छट देती है।

2. यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1989 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है प्रवृत्त रहेती।

[स. 25/एफ.टी.टो./89-का. सं. 306/27/89-एफ.टी.टी.]

पी.के. जैन, अवर मंत्रित,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th August, 1989

FOREIGN TRAVEL TAX

G.S.R. 791(E).—In exercise of the powers conferred by section 36 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979), the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient so to do, hereby exempt H. E. Dr. Ali Akbar Valayati, Foreign Minister of the Islamic Republic of Iran and six members of the delegation on their visit to India on 29th August, 1989, from payment of foreign travel tax leviable under sub-section (1) of section 35 of the said Act, in respect of their international journey to any place outside India at the end of the said visit.

2. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 31st August, 1989.

[No. 25/FTT/89-F. No. 306/27/89-FTT.]

P. K. JAIN, Under Secy.